हिन्दी (कक्षा —आठ)

संभावित सीखने के प्रतिफल	*विषय-वस्तु (थीम) कौशल/ दक्षता*	*प्रस्तावित गतिविधियां (बच्चेइन गतिविधियों को अभिभावक/शिक्षक की मदद से करेंगे।)*
विद्यार्थी • ICT का उपयोग करते हुए भाषा और साहित्य (हिंदी) के कौशलों को अर्जित करते हैं। • हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार, पत्र-पत्रिकाएँ, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट, ब्लॉग आदि पर छपने वाली समग्री) को समझकर पढ़ते हैं और उस पर अपनी पसंद-नापसंद, राय आदि को मौखिक/सांकेतिक भाषा में अभिव्यक्त करते हैं। • कहानी, कविता आदि पढ़कर लेखन के विविध तरीकों और शैलियों को पहचानते हैं। • भाषा की बारीकियों/ व्यवस्था का लिखित प्रयोग करते हैं, जैसे— कविता के शब्दों को बदलकर अर्थ और लय को समझना। • पाठ द्वारा अर्जित विषय-वस्तु की समझ को वर्तमान परिवेश से जोड़कर रचनात्मक एवं तार्किक अभिव्यक्ति एवं	**कक्षा-8** उदाहरण— 'ध्वनि' (कविता) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (कवि) (रा.शै.अ.प्र.प.की पाठ्यपुस्तक *वसंत भाग3*) पीडीएफ़ लिंक— http://ncert.nic.in/textbook/pdf/hhvs101.pdf **नोट**— *आप विषय-वस्तु (थीम) से संबंधित कोई अन्य कविता भी उदाहरण के रूप में ले सकते हैं।* **भाषा-कौशल**— सुनना/देखना, बोलना, पढ़ना-लिखना, ICT आधारित भाषाई दक्षता	• शिक्षक एवं शिक्षिकाएँ उपरोक्त पाठ को वर्तमान संदर्भ से जोड़ते हुए अध्यापन कार्य करें। यह कार्य विद्यार्थियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के द्वारा (जैसे- जूम कॉल, व्हाटसप समूह कॉल आदि) या फिर वीडियो पढ़ाते हुए रिकार्ड कर विद्यार्थियों को भेजा जा सकता है। विद्यार्थी इसे अपनी-अपनी पाठ्यपुस्तकों में देखें तथा वर्तमान संदर्भ में उपयोगी प्रोजेक्ट/ दत्त कार्य को पूरा करने का प्रयास करें। • QR Code में उपलब्ध रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा तैयार किया गया ऑडियो-वीडियो पाठ। • ऑडियो लिंक— https://nroer.gov.in/55ab34ff81fccb4f1d806025/page/58104d3016b51c23fb29eea8#metadata_info • वीडियोलिंक— https://nroer.gov.in/55ab34ff81fccb4f1d806025/page/58104d6c16b51c23fb29ef1a • कविता की समझ को विस्तार देने के लिए NROER एवं यूट्यूब पर कवि एवं कविता के संदर्भ में उपलब्ध सामग्री। • यूट्यूबलिंक— https://www.youtube.com/watch?v=mfh5hWDW9c4 • बदले हुए परिवेश एवं नवीन सूचनाओं को 'ध्वनि' कविता से जोड़कर रचनात्मक गतिविधियाँ तैयार करना एवं प्रकृति की आवाज को वर्तमान परिवेश की आवाज से जोड़ने का संदेश प्रदान करना। • शिक्षण-अधिगम की प्रक्रिया के रूप में आकलन का उपयोग करते हुए विद्यार्थियों को ऑनलाइन प्रस्तुतिकरण (प्रदत्त कार्य के रूप में) के लिए प्रेरित करना।

लिखित एवं मौखिक रूप से प्रदान करते हैं। • अभिव्यक्ति की विविध शैलियों/रूपों को पहचानते हैं, स्वयं लिखते हैं, जैसे— कविता, कहानी, निबंध आदि।		• उपरोक्त प्रक्रियाओं को करते हुए ध्यान रखना है कि हमारा उद्देश्य किसी खास कविता को पढ़ाने के बजाए विद्यार्थियों में कविता की समझ पैदा करना है ताकि भविष्य में अगर ऐसी ही कोई कविता उनके समक्ष (पाठ्यक्रम या पाठ्यक्रम से इतर भी) आए तो वे उनका भाव एवं अर्थ-विस्तार कर सकें। परिवेश से जोड़कर कविता का विवेचन कर सकें। साथ ही कविता को पढ़ते-पढ़ाते भाषा और साहित्य के विविध कौशलों को अर्जित कर सकें। वर्तमान संदर्भ में भाषा और साहित्य के शिक्षण-अधिगम की प्रक्रिया में ICT के उपयोग की समझ का विस्तार भी एक उद्देश्य है। यहाँ विधा के रूप में कविता की समझ के साथ-साथ **विषयवस्तु (थीम)** के रूप में 'प्रकृति, पर्यावरण और मनुष्य' की समझ को भी विस्तार देना हमारा उद्देश्य है। अंतत: सारे क्रियाकलापों का उद्देश्य अर्जित ज्ञान और समझ का वास्तविक परिस्थितियों में उपयोग ही तो है।